बुधवार

26 मार्च 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 57
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

वसूली मांगने वालों पर मुकदमा दर्ज

व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने की एसएसपी से मुलाकात

संवाददाता

देहरादून। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने एसएसपी अजय सिंह से भेंट कर एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओ पर व्यापारियों का उत्पीडन करने का आरोप लगाया।

आज यहां देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों सें आये व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा पुलिस कार्यालय देहरादून में एसएसपी देहरादून से भेंट की गई। भेंट के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा एसएसपी अजय सिंह के समक्ष अपनी समस्याओं को रखते हुए बताया कि देहरादून के विभिन्न थाना क्षेत्रों में उत्तराखण्ड के एक राजनीतिक दल से जुडे व्यक्तियों द्वारा व्यापारियों का उत्पीडन करते हुए उनके प्रतिष्ठानों में जाकर उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है तथा व्यापार करने की एवज में लगातार उनसे पैसों की मांग की जा रही है। इस दौरान उपस्थित प्रतिनिधि मण्डल द्वारा राजपुर क्षेत्र में दल के कार्यकर्ताओं द्वारा एक कैफे लॉज में लॉज संचालक व वहां कार्यरत कर्मचारियों के साथ बदसलूकी करते हुए उन पर दबाव बनाकर उनसे अवैध वसूली करने की घटना तथा सोशल मीडिया एकाउण्ट फेसबुक पर संतोष भण्डारी द्वारा वैश्य समाज के लोगों के विरूद्ध आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए आम जन को उनके विरूद्ध भडकाने का प्रयास करने की घटना से एसएसपी देहरादून को अवगत कराया गया, जिस पर एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित प्रतिनिधि मण्डल को अवगत कराया कि उक्त घटनाओ के संबंध में थाना राजपुर तथा रायपुर में मुकदमें दर्ज किये गये है तथा घटना में शामिल लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है, इसके अतिरिक्त रायपुर क्षेत्र में भी इसी प्रकार की घटना की एक अन्य शिकायत रायपुर पुलिस को प्राप्त हुई है, जिस पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि व्यापारियों के हितों से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा तथा सामाजिक सौहार्द को बिगाडने का प्रयास करने वालो के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भेंट के दौरान विपिन नागलिया (दून उद्योग व्यापार मण्डल), ध्रुव गुलाटी (दून उद्योग युवा व्यापार मण्डल), विवेक (उत्तरांचल सर्व समाज सभा), गुरजिन्दर आनन्द (उत्तरांचल पंजाबी महासभा), आदेश मंसले (राष्ट्रीय स्वाभिमान मोर्चा), विवेक अग्रवाल (दिलाराम बाजार व्यापार मण्डल) व अन्य संगठनों से जुडे पदाधिकारी मौजूद रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

कौन है स्लीपर सेल?

उत्तराखंड में कांग्रेस लंबे समय से विपक्ष में बैठी है तथा उसे लोगों द्वारा मित्र विपक्ष या निष्क्रिय विपक्ष माना जाने लगा है। हरीश रावत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की विदाई के बाद कांग्रेस किसी भी चुनाव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है, बात चाहे पंचायत या निकाय चुनाव की हो या फिर विधानसभा और लोकसभा चुनाव की उसकी हालत इतनी पतली हो चुकी है कि चुनाव दर चुनाव सफलता की सीढ़ियां चढ़ने वाली भाजपा के नेताओं ने तो उत्तराखंड में कांग्रेस को एक ऐसी पार्टी प्रचारित करना शुरू कर दिया है जिनका वजूद समाप्ति की कगार पर हो। पिछले दो लोकसभा और दो विधानसभा के चुनाव जीत कर भाजपा उस मिथक को तोड़ चुकी है जब भाजपा और कांग्रेस बारी-बारी से सत्ता तक पहुंच जाते थे। कांग्रेस की इस अवनति को लेकर सूबे के कांग्रेसी नेताओं को कभी संजीदा नहीं देखा गया है। कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका 2016 में उस समय लगा था जब दर्जन भर बड़े नेताओं ने अपनी ही सरकार से बगावत कर भाजपा का दामन थाम लिया था। इस बड़ी घटना को या यूं कहीं कि नुकसान को पार्टी के शेष बचे मुट्ठी भर नेताओं ने अपने रास्ते से रोड़ों का जाना ही मान लिया था उनकी सोच थी कि अब बस उनकी ही तूती बोलेगी। अपनी-अपनी तूती की आवाज बुलंद करने वाले इन नेताओं ने कभी यह सोचा ही नहीं था कि जब पार्टी में नेता ही नहीं रहेंगे तो पार्टी का क्या होगा खास बात यह है कि 2016 के बड़े विभाजन के बाद भी जो बचे हुए कुछ नेता थे अपनी उपेक्षा और अवसरों की तलाश में भाजपा की ओर खिसकते रहे और उन्हें रोकने का किसी ने भी प्रयास नहीं किया। खास बात यह है कि जो सवाल 10 साल पहले प्रदेश कांग्रेस के सामने खड़े थे वही सवाल आज भी खड़े दिख रहे हैं। इन दिनों एक तथाकथित पत्र को लेकर कांग्रेसी नेताओं के बीच संग्राम छिड़ा हुआ है। इस पत्र को प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा द्वारा लिखा गया बताया जा रहा है जो राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम लिखा है तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व चकराता विधायक प्रीतम सिंह पर इस पत्र में अत्यंत ही गंभीर आरोप लगाए गए हैं एक अर्थ में इसमें प्रीतम सिंह को राहुल गांधी द्वारा कही जाने वाली स्लीपर सेल का हिस्सा बताया गया है जो कि कांग्रेस में रहकर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं तथा इसके बदले में सरकार भी उन्हें उपकृत कर रही है। भले ही करन माहरा इस पत्र को अपने द्वारा लिखे जाने से साफ इनकार कर रहे हो लेकिन यह पत्र जिसने भी लिखा है या वायरल कराया है उससे बड़ा कांग्रेस का कोई दुश्मन नहीं हो सकता। बीते दिनों प्रीतम के भाजपा में जाने की अफवाह फैलाई गई वह ऐसी पार्टी विरोध ी तत्वों की हरकतें थी जो प्रीतम जैसे पार्टी के समर्पित नेताओं का भी कांग्रेस से मोहभंग कराने की कोशिशें कर रही है। करन माहरा की जिम्मेदारी बनती है कि ऐसी ताकतों को बेनकाब करें अन्यथा लोग उन्हें ही दोषी मानेंगे। कांग्रेस के नेता जब तक अपने ही नेताओं की कुर्ता घसीटन बंद कर नहीं करेंगे वह भाजपा का सात जन्म में भी मुकाबला नहीं कर पाएंगे ऐसे नेताओं को ढूंढ-ढूंढ कर बाहर किया जाना चाहिए जो कांग्रेस को बर्बाद करने में आमादा है।

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में

देवभूमि उद्यमिता के तहत दो दिवसीय बूट कैंप का शुभारम्भ

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर के प्रेक्षागृह में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत दो दिवसीय बूट कैंप का शुभारम्भ किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश उभान के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. गरिमा जायसवाल (नोडल अधिकारी, उद्यमिता योजना) ने किया।

इस अवसर पर देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रतिनिधि, ईडीआईआई अहमदाबाद के विशेषज्ञ अभिषेक नंदन, श्रीमती किरन जोशी, श्रीमती यमिनी जोशी तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सर्वजीत सिंह, डॉ. इंदु शेखर मंगई, डॉ. संजीव सक्सेना, डॉ. सुनील कुमार मौर्य एवं डॉ. शलभ गुप्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती को पुष्प अर्पित करने के साथ हुआ। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस के सभी सत्र अत्यंत संवादात्मक रहे। ईडीआईआई अहमदाबाद के विशेषज्ञ अभिषेक नंदन एवं श्रीमती किरन जोशी ने छात्रों को स्टार्टअप्स और उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। उन्होंने स्टार्टअप्स की अवधारणा, नवाचार, एवं उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की, जिससे विद्यार्थियों को नए व्यवसाय शुरू करने एवं अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने की प्रेरणा मिली।

इसके अलावा, ग्रामीण व्यवसाय इनक्यूबेटर विशेषज्ञ डॉ. यमिनी जोशी ने ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवसाय शुरू करने हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने छात्रों को बताया कि किस प्रकार वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

यह दो दिवसीय बूट कैंप विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्होंने व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किया। इस पहल से महाविद्यालय में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवा उद्यमियों को नए अवसर मिलेंगे।

महाविद्यालय प्रशासन ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए देवभूमि उद्यमिता योजना और ईडीआईआई अहमदाबाद के विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस ने एयरपोर्ट तिराहे के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 100 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मंजीत पुत्र चेतराम निवासी बिहारीगढ सहारनपुर बताया।

मारपीट में दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपुर निवासी नवनीत मौर्य ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के बाहर खडा था तभी वहां पर हनुमन्त मौर्य उर्फ गुडडु आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा। उसने जब उसका विरोध किया तो उसने उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। वहीं दूसरी तरफ हनुमन्त मौर्य की पत्नी नीलम मौर्य ने आर्यन मौर्य व अन्य के खिलाफ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों तरफ से मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एनसीसी कैडेट्स को वितरित किये मुख्यमंत्री गोल्ड मैडल व छात्रवृति

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की में नगर विधायक प्रदीप बत्रा द्वारा कर्नल रामाकृष्णन्न रमेश, कमान अधिकारी की मौजूदगी में एनसीसी कैडेट्स को छात्रवृत्ति का वितरण किया गया । आज वितरित की गई छात्रवृत्ति में मुख्यत: मुख्यमंत्री गोल्ड मैडल, मुख्यमंत्री छात्रवृति, कैडेट वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति व बेस्ट कैडेट अवार्ड शामिल थे।

विधायक प्रदीप बत्रा द्वारा आज बी.एस.एम. (पीजी) कॉलेज, रुड़की की एनसीसी कैडेट एसयूओ सुमन जोशी को मुख्यमंत्री गोल्ड मेडल से अलंकृत किया गया व 3000.00 रूपये की छात्रवृत्ति देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की की कैडेट रिया को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति धनराशि 2400.00 रूपये, आरएनआई इंटर कॉलेज, भगवानपुर के कैडेट जानिसर अख्तर को 1200.00 रूपये, बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की की कैडेट वैशाली को 1200.00 रूपये, आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर, रुड़की की कैडेट कृतिका जोशी को 600.00 रूपये वहीं इसी श्रृंखला में केएलडीएवी (पीजी) कॉलेज, रुड़की के एसयूओ आदित्य राणा को सेकंड बेस्ट कैडेट अवार्ड हेतु धनराशि 3500.00 रूपये, आर्मी पब्लिक स्कूल नो. 1 के सीएसएम आर्यन सिंह को जे.डी. सेकंड बेस्ट कैडेट हेतु धनराशि 3500.00 रूपये व आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर, रुड़की की कैडेट दीप्ति को सेकंड बेस्ट कैडेट अवॉर्ड जूनियर विंग में धनराशि 3500.00 रूपये का चेक देकर पुरस्कृत किया गया ।

पत्रकारिता की विभागीय परिषद प्रतियोगिताओं में भावना और प्रियंका रहे अव्वल

कार्यालय संवाददाता

नरेंद्र नगर। संदेश परक वीडियो साट्स, रिपोर्ट लेखन,रंगारंग सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार वितरण के साथ पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभागीय छात्र परिषद 2024 -25 के कार्यक्रमों का समापन हो गया।

विदित हो कि राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने आज षविभागीय परिषदष के बैनर तले विभिन्न प्रतियोगी कार्यक्रमों का आयोजन किया।

1 मिनट के संदेश परक वीडियो साट्स प्रतियोगिता में बीए ऑनर्स जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन चतुर्थ सेमेस्टर की भावना प्रथम, चतुर्थ सेमेस्टर की प्रियंका और अंजलि द्वितीय स्थान पर रहे,जबकि चतुर्थ सेमेस्टर की निकिता और षष्टम सेमेस्टर के प्रिंस पुहाल तृतीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे।

वही रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता में चतुर्थ सेमेस्टर की प्रियंका प्रथम, द्वितीय सेमेस्टर की लक्ष्मी नेगी द्वितीय और षष्टम सेमेस्टर के प्रिंस पुहाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पत्रकारिता एवं

जनसंचार छात्र परिषद के प्रत्येक छात्र ने इस अवसर पर नृत्य,गायन, एवं अपने अनुभवों को साझा किया।

इससे पूर्व कॉलेज प्राचार्य यू सी मैठाणी निर्णायक मंडल सदस्य डॉ हिमांशु जोशी,डॉ सुधारानी, विभाग प्रभारी डॉ सृचना सचदेवा, डॉ विक्रम बर्त्वाल एवं विशाल त्यागी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में प्राचार्य यू सी मैठाणी ने लक्ष्य के प्रति अडिग रहने के लिए छात्रों को अपने स्कूल टाइम का एक दृष्टांत सुनाया। उन्होंने पत्रकारिता के छात्रों को संपादकीय पढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम का संचालन छात्र प्रिंस पुहल एवं विभाग के प्राध्यापक डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल ने संयुक्त रूप से किया। विभाग प्रभारी डॉ सृचना सचदेवा ने कार्यक्रम के सफल संपादन के लिए सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के शिशुपाल रावत, डॉ विजय प्रकाश भट्ट, कार्यालय की वरिष्ठ लिपिक लक्ष्मी कठैत, विभागीय छात्र परिषद एवं कॉलेज के छात्र छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शेयर बाजार की उथल-पुथल का आम आदमी पर सीधा असर नहीं!

साकेत आहूजा

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों का लाखों करोड़ों रुपया डूबना चिंताजनक है। इसमें हमारे आसपास शेयर मार्केट के नौकरीपेशा, छोटे व्यापारी इत्यादि लाखों रीटेल निवेशक भी शामिल हैं, जो अपनी कीमती बचत और मेहनत की कमाई को शेयर मार्केट में लगाते हैं। बहरहाल,सेंसेक्स के लगातार नीचे गिरने के कई कारण हैं जैसे टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप का अस्पष्ट रुख, आईटी सेक्टर के शेयरों पर दबाव, डॉलर का चढऩा और विदेशी संस्थागत निवेश यानी एफआईआई की बिकवाली का जारी रहना,रूस - यूक्रेन युद्ध, ब्रिक्स देशों और अमेरिका में टकराव, खाड़ी देशों में अशांति, अमेरिका और यूरोप में टकराव इत्यादि शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप के बदलते बयानों ने दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच ट्रेड वॉर के तेज होने की आशंकाओं को हवा दे दी हैऐसे लगता है कि इकोनॉमी के मुकाबले भारतीय बाजार अभी काफी ओवरवैल्यूड हैं और स्टॉक्स काफी महंगे हैंइस बीच सबसे ज्यादा हैरानी की बात तो यह है कि बीते 4 महीनों से जारी गिरावट के चलते कई स्टॉक्स 5० प्रतिशत से ज्यादा तक गिर चुके हैं।

अनेक रिपोर्ट बताती हैं कि एक जनवरी से अब तक सभी सेक्टरों के शेयरों में कम से कम 2० से 25 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। हुआ यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ लगाने के ऐलान से बाजार में नकारात्मकता आई है और इसका असर शेयरों में गिरावट के तौर पर देखने को मिला है। इसके अतिरिक्त विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारतीय बाजारों में बिकवाली कर रहे हैं, जिससे गिरावट तेज हो रही है। अक्टूबर 2024 से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयरों और बॉन्ड से 2० अरब डॉलर से ज्यादा निकाल लिए हैं।

यह हाल के इतिहास में सबसे बड़ी निकासी में से एक है। इसके साथ ही अभी तक दुनिया भर में जियो पॉलिटिकल चिंताएं कम होती नहीं दिखाई देती।रूस-यूक्रेन के मोर्चे पर अनिश्चितता बनी हुई है। इस वजह से कच्चे तेल के दाम को लेकर भी आशंकाएं बरकरार हैं। इस वजह से भारतीय बाजारों में गिरावट देखने को मिली है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि शेयर बाजार का ये निगेटिव ट्रेंड अधिक समय बरकरार रहने वाला नहीं है। अमेरिकी नीतियों में स्थिरता आते ही, बाजार में फिर से तेजी का दौर आने लगेगा। दरअसल,ट्रंप अपने कार्यकाल के शुरुआती महीनों में अमरीका के हित के लिए मोल-भाव , दूसरे देशों को टैरिफ से डराने में कर रहे हैं।

जाहिर है बाजार जल्दी ही रिकवर करने की स्थिति में आ जाएगा ! मार्केट में जारी इस गिरावट के बीच बाजार जानकारों ने भारतीय बाजार और शेयरों को वास्तविक कीमतों से ऊपर बताया है। अमरीकी मुद्रा की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। हाल ही में ट्रंप के टैरिफ ने बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना दिया है, जिससे ट्रेडिंग वॉल्यूम कम हुआ है।

अमरीका को चीन, कनाडा और मैक्सिको द्वारा लगाए गए टैरिफ से बचना मुश्किल होगा। इससे अमरीका में मुद्रास्फीति बढ़ सकती है और ब्याज दरों में वृद्धि की जा सकती है। इसका असर अमरीकी शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है, जो ट्रम्प की लोकप्रियता को प्रभावित कर सकता हैयही बात अमरीका के अरबपति निवेशक वॉरेन बफेट ने भी कही हैउन्होंने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से अमरीका में महंगाई की स्थिति पैदा होगी और लोगों को परेशानी होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बाजार अपनी सुगमता का रास्ता ढूंढ लेता है।

वैसे शेयर बाजार की उथल-पुथल का आम आदमी पर सीधा असर नहीं होता लेकिन, बाजार के रवैए से आर्थिक स्थिति का पता चलता है। कुल मिलाकर भारत के निवेशकों और सरकारी तथा अर्ध सरकारी कंपनियों को सतर्कता रखने की जरूरत है। केंद्रीय सरकार भी बाजार की नजदीकी से निगरानी करें। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सेहत के लिये संजीवनी है अच्छी नींद, ये नुस्खे बनाएंगे आपको संतुलित

बेहतर स्वास्थ्य और मजबूत सेहत का सबसे अच्छा नुस्खा है संतुलित नींद ली जाए। अच्छी नींद आपका पूरा दिन खुशनुमा बना सकती है, जबकि अधूरी नींद आपको चिड़चिड़ापन, सुस्ती और आभाहीन चेहरा दे सकती है। लेकिन भागदौड़ भरी इस जिंदगी में अच्छी नींद और अच्छी सेहत बनाए रखना किसी जंग से कम नहीं है। जानिये, वो अचूक नुस्खे जो आपको संतुलित और सही नींद लेने में मदद करेंगे।

सोने से पहले करें इन चीजों का सेवन

रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध का सेवन करना चाहिये। कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माने जाने वाले दूध में मौजूद ट्रिप्टोफन और सेरोटोनिन अच्छी नींद में मदद करता है। दूध के साथ-साथ बादाम, केले और मेलाटोनिन से भरपूर चेरी का सेवन भी फायदेमंद साबित होगा। इससे आपकी मांसपेशियों में खिंचाव कम होता है। इसके अलावा सोने से करीब आधे घंटे पहले हर्बल टी का सेवन भी अच्छा रहता है।

थोड़ी-सी मसाज देगी कमाल का परिणाम

सोने से 1०-15 मिनट पहले सिर, हथेलियां, पैरों के तलवे आदि की हल्की मसाज करने से आपका दिनभर का तनाव दूर होगा। मसाज के लिये जैतून, सरसों, नारियल, बादाम आदि का तेल बेहद फायदेमंद होता है। मसाज खुद करने के बजाय यदि किसी और से कराई जाए तो उसका आनंद बढ़ जाता है।

...इन चीजों के सेवन से बचें

सोने से ठीक पहले चाय, कॉफी या कैफीन युक्त अन्य पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिये। इससे आपको सेहत संबंधी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि के सेवन से भी बचना चाहिये।

संतुलित नींद ही सही है

अपर्याप्त नींद लेना या बहुत ज्यादा सोना दोनों ही सेहत के लिये खतरनाक है। ज्यादा सोने से आपका जीवन चक्र असंतुलित हो जाता है। इसलिये उम्र के अनुसार नींद लेना चाहिये। छोटे बच्चों के 9-1० घंटे, जबकि वयस्कों के लिये 7-8 घंटे की नींद पर्याप्त होती है।

सोने से ठीक पहले...

खाना खाने के ठीक बाद बिस्तर पर नहीं जाना चाहिये। रात के समय हल्का भोजन खाना चाहिये। इसमें हरी सब्जियां, सूप आदि को शामिल करना चाहिये। इसके अलावा सोने से ठीक पहले या खाने के ठीक बाद नहाना भी नुकसान पहुंचाता है। सोने से पहले हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग, मेडिटेशन, योगा आपके दिमाग को शांत रखने में मदद करता है।

गैजेट्स से रहें दूर

स्मार्टफोन की दुनिया में सोने से पहले लगातार चैटिंग करना, वीडियो देखना अक्सर हमारी आदत में शुमार हो जाता है। सोने से करीब 2० मिनट पहले मोबाइल, टीवी, कम्प्यूटर आदि से खुद को दूर कर लेना चाहिये। साथ ही अच्छी नींद के लिये रोशनी से दूर रहना भी जरूरी है।

घरेलू टिप्स से पाएं खूबसूरत बैक

डीप बैक कट के कपडे आजकल फिर से फैशन में वापस आ गए हैं। आप देख सकते हैं कि कई सेलेब्रिटीज भी डीप कट के गाउन पहने नजर आ जाती हैं। उनकी साफ और दाग-धब्बे रहित पीठ देख कर आप भी उनकी तरह पीठ होने की चाह रखती होगी। यदि आपकी पीठ पर एक्ने, रैश या धब्बे पडे हैं तो आपको उनकी चिंता अभी से ही करनी शुरू कर देनी चाहिये। तो आइए जानते हैं यह टिप्स जिनसे आप अपनी बैक को साफ और सुंदर बना सकती हैं।

स्क्रब- त्वचा को गंदगी और डेड स्कीन से मुक्ती दिलाने के लिये स्क्रब करना बहुत जरूरी है। आप चाहें तो लूफा का प्रयोग कर सकते हैं, इससे ब्लड सर्कुलेशन भी बढता है।

डार्क स्पॉट को छुपाए- यदि आपकी पीठ पर दाग-धब्बे पडे हुए हैं तो उसको छुपाने के लिये कंसीलर का प्रयोग करें। इसके लिये आपको मेडिकेटेड कंसीलर का प्रयोग करना चाहिये जिससे पिंपल छुप भी जाए और उसी समय वह ठीक भी हो जाए।

तेल मसाज- हर दूसरे दिन आपको अपने पीठ की मसाज करनी चाहिये। सुगंधित तेल जैसे, बादाम, जैतून या लेवेंडर का प्रयोग करें। इन तलों से अपनी पीठ को नमी भी पहुंचा सकते हैं और चमकदार भी बना सकते हैं। तेल मसाज- हर दूसरे दिन आपको अपने पीठ की मसाज करनी चाहिये। सुगंधित तेल जैसे, बादाम, जैतून या लेवेंडर का प्रयोग करें। इन तलों से अपनी पीठ को नमी भी पहुंचा सकते हैं और चमकदार भी बना सकते हैं।

सेहत के लिए स्वास्थ्यवर्धक जूस

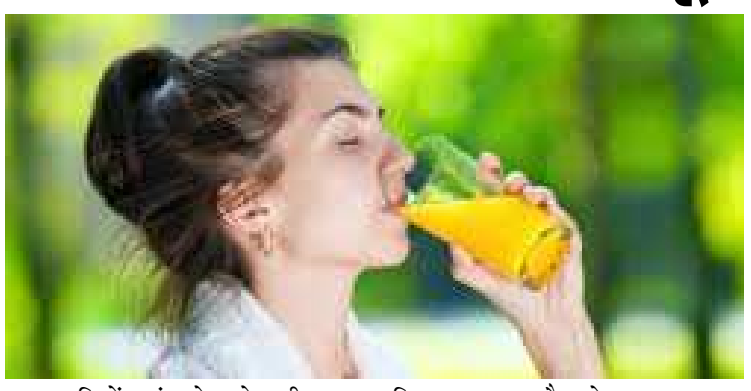

प्रकृति में पाएं जाने वाले सभी फल-सब्जियों कुदरती टॉनिक होते हैं। जिन्हें किसी भी वक्त शरीर में पोषक तत्वों की जरूरतों और कैलोरी की आवश्यकता के हिसाब से नियमित पीया जा सकता है। तो आइये जानते हैं फल-सब्जियों से बने रस के लाभों के बारे में...

खीरा पानी का बहुत अच्छा स्त्रोत होता हे। खीरें विटामिन ए, बी 1 बी 6 सी, डी पौटेशियम, फास्फोरस, आयरन आदि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। नियमित यप से खीरे के जूस शरीर को अंदर व बाहर से मजबूत बनता है।

अनार प्यूनिकेलेजिन नामक एक कंपाउंड केवल अनार के रस में पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखता है।

आलू जूस में प्रचुर मात्रा में आयारन पोटैशियम, फाइबर, कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन ए, बी और सी होते हैं। जो कि हेल्थ के लिए बहुत लाभकारी होते हैं।

डायबिटीज के लिए करेला रामबाण इलाज है। करेले का रस को नींबू के रस के साथ पानी में मिलाकर पीने से वजन कम किया जा सकता है। करेला का जूस खून को साफ करता है साथ ही हीमोग्लोबिन बढता है।

चुकंदर का रस ह्रदय संबंधी समस्याओं को दूर रखता है। चुंकदर के रस में नाइट्रेट नामक रसायन होता है, जो रक्त दबाव को कम कर देता है।

लौकी का रस शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इसमें विषनाशक गुण है। इसका जूस मोटापा, उच्चरक्तचाप, अम्लपित्त पित्तज रोगों, ह्रदयरोग एवं कोलेस्ट्रॉल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संतरा का जूस-: संतरा स्वास्थ्यवर्धक फल में खनिज एवं विटामिन के जरिए शरीर में ऊर्जा प्रदान करता है। इससे ने केवल पेट की समस्या दूर होती है बल्कि चुस्ती-फुर्ती भी बढती है और त्वचा में भी निखार आता है। साबूत संतरे के अलावा संतरा के जूस पीने से पाचन क्रिया तो दूर रहती है साथ ही शरीर में रक्त और मांस में भी वृद्धि होती और एनीमिया के रोगी के लिए संतरे का जूस बहुत लाभकारी होता है।

पाक पर भारी पड़ रही बलूच लिबरेशन आर्मी

वसी जैदी

बलूच आखिर कब तक इस्लामाबाद में बैठे शासकों और पाकिस्तानी सेना का शोषण व जुल्म सहेंगे? बलूचिस्तान में लोगों की हत्या की जा रही थी, युवाओं को पकड़कर बंदी बनाने और यातना देने का सिलसिला जारी था, युवतियों का अपहरण किया जा रहा था। बलूचों के सम्मानित नेता बादशाह बुगती की हत्या के बाद से वहां असंतोष तीव्र हो चला था। बलूचिस्तान के बंदरगाह ग्वाडर को चीन के हवाले कर पाकिस्तान मनमानी कर रहा था।

बलूचिस्तान में खनिजों का भंडार है फिर भी वहां कोई उद्योग-धंधा नहीं है और भारी बेरोजगारी व भुखमरी की स्थिति पाकिस्तान ने पैदा कर रखी है। इसके प्रतिरोध में बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कार्रवाई तीव्र कर दी है। उसे टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) का भी समर्थन प्राप्त है। पहले तो जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण किया गया और महिलाओं व बच्चों को छोड़कर 30 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा गया, ट्रेन हाईजैक की घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से दावे-प्रतिदावे होते रहे। इस घटना के बाद पाकिस्तानी सेना के क्वेटा से ताफ्तान जा रहे 8 बसों के काफिले पर हमला किया गया। बीएलए का दावा है कि इस आत्मघाती हमले में 90 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। क्या पाकिस्तान इस संकट से खुद को बचा पाएगा? बलूचिस्तान में हालात नियंत्रण के बाहर हो गए हैं। कहीं वह भी बांग्लादेश के समान पाकिस्तान के कब्जे से बाहर न निकल जाए! ऐतिहासिक तथ्य है कि बलूचिस्तान कभी पाकिस्तान बनाने की योजना में शामिल ही नहीं था। वह 'कलात' कहलाता था जो कि पहले ओमान सल्तनत के अंतर्गत आता था। बलूचिस्तान को पाकिस्तान ने जबरन हथिया लिया जबकि वह भारत के साथ रहने की इच्छा रखता था। यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। पंजाब और सिंध प्रांत इसकी तुलना में छोटे हैं। हो सकता है कि पाकिस्तान चीन की मदद से बलूचों को कुचलने की कोशिश करे लेकिन आत्मघाती या फिदायीन हमलों पर उतारू बलूच अब डरने या दबनेवाले नहीं हैं। खुद के दोषों पर परदा डालने के लिए पाकिस्तान बलूच आतंकियों के पीछे भारत का हाथ होने का बेतुका आरोप लगा रहा है। खुद पाकिस्तान ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया और भारत पर भयानक आतंकी हमले करवाए। अब वह अपनी करनी का फल भोग रहा है। ट्रेन से लेकर सड़कों तक बलूच लिबरेशन आर्मी पाकिस्तान की नाक में दम कर रही है।

नरने नितिन मैड स्चयर की रिलीज़ की तारीख 29 मार्च 2025 घोषित

ब्लॉकबस्टर मूवी मैड का बहुप्रतीक्षित सीच्ल, जिसका शीर्षक मैड स्चयर है, 29 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाला है। इस घोषणा ने दर्शकों, फिल्म प्रेमियों और व्यापार जगत के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, जो बेसब्री से रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के संगीत ने पहले ही धूम मचा दी है, जिसमें लड्डू गनी पेली और स्वाति रेड्डी गाने चार्टबस्टर बन गए हैं और हर जगह प्लेलिस्ट में शीर्ष पर हैं। कल्याण शंकर द्वारा निर्देशित, जो कहानी कहने और हास्य की अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं, मैड स्चयर एक और हंसी का दंगा पेश करने का वादा करता है। यह फिल्म हारिका सूर्यदेवरा और साई सौजन्या द्वारा प्रतिष्ठित बैनर सिथारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज और श्रीकारा स्टूडियोज के तहत निर्मित की गई है। सूर्यदेवरा नागा वामसी इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। नरने नितिन, संगीत शोभन और राम नितिन सहित प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ, मैड स्चयर से सिनेमाघरों में मनोरंजन के अनुभव को एक नए स्तर पर ले जाने की उम्मीद है। मैड स्चयर का संगीत मशहूर संगीत निर्देशक भीम्स सेसिरोलेओ ने तैयार किया है, जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक नवीन नूली संपादन का काम संभाल रहे हैं, ताकि कहानी को रोचक बनाया जा सके। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी शमदत (ड्रष्ट) ने की है, जबकि श्री नागेंद्र तंगला प्रोडक्शन डिजाइनर हैं। अपने प्रतिभाशाली क्रू और कलाकारों के साथ, मैड स्चयर दोगुना मज़ा और दोगुना पागलपन देने के लिए तैयार है, जिससे यह मूल फिल्म के प्रशंसकों के लिए ज़रूर देखने लायक बन गई है।

जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, प्रशंसक एक बार फिर से तीन कॉलेज के दोस्तों की मज़ेदार हरकतों का अनुभव करने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। ज़्यादा मज़ा और ज़्यादा पागलपन के वादे के साथ, मैड स्चयर एक ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है, जो दर्शकों का मनोरंजन करेगी और उन्हें हँसाएगी। 29 मार्च, 2025 के लिए अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ और हंसी के दंगल का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाएँ!

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एआई और महिला सशक्तिकरण: डिजिटल युग में समानता की ओर बढ़ते कदम

सावित्री ठाकुर

आज के इस तेज गति वाली 21वीं सदी में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में नित नई संभावनाएँ उभर रही हैं, विशेष रूप से आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकों के माध्यम से। एआई न केवल महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के नए अवसर प्रदान कर सकता है, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी समान भागीदार बनाने में मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 समिट से लेकर वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम तक, हर मंच पर 'वूमेन-लेड डेवलपमेंट' को बढ़ावा देने की बात कही है। इसके तहत महिलाओं को केवल विकास का लाभार्थी ही नहीं बल्कि नेतृत्वकर्ता भी माना जा रहा है। एआई इस दृष्टि से कई प्रकार से देश की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ा सकता है। चाहे रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना हो या शिक्षा एवं कौशल विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुगम बनाना, एआई हर क्षेत्र में अहम भूमिका निभा सकता है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने में भी एआई महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। घरेलू हिंसा और उत्पीडन् की निगरानी के लिए एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स और मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं, जो महिलाओं के खिलाफ अपराधों को चिन्हित करने और उनके रोकथाम में मदद करेंगे। इसके अलावा, एआई-पावर्ड चैटबॉट्स कानूनी और सुरक्षा संबंधी सलाह देने में मददगार हो सकते हैं, जिससे महिलाएं किसी भी परिस्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। इन चैटबॉट्स का इस्तेमाल विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के पोर्टल पर भी किया जा सकता हैं जिससे महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के बारे में आसानी से पता चल सकें।

डेटा एनालिटिक्स की मदद से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। एआई संचालित डिजिटल वेरिफिकेशन के जरिए फर्ज़ी लाभार्थियों की पहचान कर जरूरतमन्द लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है।

एआई के उपयोग को लेकर 2018 में, भारत सरकार ने 'नेशनल स्ट्रैटेजी फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की शुरुआत की, जिसका मकसद कुछ खास क्षेत्रों में एआई के विकास को बढ़ावा देना था। वर्ष 2021 में, 'रिस्पॉन्सिबल एआई' पर एक ड्राफ्ट पेश किया गया, जिसमें नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दिया गया। इस नेशनल स्ट्रैटेजी को 'एआइ फॉर ऑल' की थीम पर तैयार किया गया है।

विगत वर्ष, प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 'मेकिंग एआई इन इंडिया' और 'मेकिंग एआई वर्क इन इंडिया' के विजन् पर चलते हुए 10,371.92 करोड़ रुपये के बजट परिव्यय के साथ राष्ट्रीय स्तर के इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी थी। ये मिशन, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में रणनीतिक कार्यक्रमों और साझेदारियों के माध्यम से एआई नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक वृहद इकोसिस्टम स्थापित करेगा।

हाल ही में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और फ्रांस की सह-अध्यक्षता में आयोजित पेरिस एआई शिखर सम्मेलन 2025 में एआई को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया था, ताकि यह सभी वर्गों के लिए उपयोगी साबित हो सके। इसी संदर्भ में, एआई महिलाओं की सुरक्षा और लैंगिक हिंसा की रोकथाम में भी अहम भूमिका निभा सकता है। एआई-आधारित निगरानी प्रणाली सार्वजनिक स्थलों पर लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ की घटनाओं की पहचान कर अपराधी को चिन्हित करने में मदद कर सकती है। साइबर सुरक्षा में एआई का उपयोग ऑनलाइन उत्पीडन् और साइबर बुलिंग जैसी समस्याओं से निपटने में किया जा सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित आपातकालीन अलर्ट सिस्टम महिलाओं को तुरंत सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता हैं, जिससे उनकी सुरक्षा और भी सुदृढ़ होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई का उपयोग भी महिलाओं के लिए वरदान साबित हो सकता है। हाल ही में स्वीडन में हुई एक क्लीनिकल स्टडी में पाया गया कि एआई आधारित मैमोग्राफी सिस्टम 29 प्रतिशत अधिक स्तन कैंसर के मामलों की पहचान कर सकता है। इसके अलावा, एआई-आधारित प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स डॉक्टरों को जटिल बीमारियों की पहचान करने और उनके उपचार में मदद कर सकता है। खासकर, यह तकनीक हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान कर सकती है और संभावित जटिलताओं को रोकने में सहायक हो सकती है।

'विकसित भारत 2047' के विजन के तहत, भारत को एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक है। एआई न केवल महिलाओं के लिए नए अवसरों का सृजन कर सकता है, बल्कि उन्हें समाज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए सक्षम भी बना सकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एआई केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता है। यह तकनीक एक समावेशी और प्रगतिशील समाज की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसका उपयोग केवल आर्थिक या तकनीकी उन्नति तक सीमित न रहें, बल्कि इसे महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय तक सुगमता से पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भी उपयोग किया जाए।

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

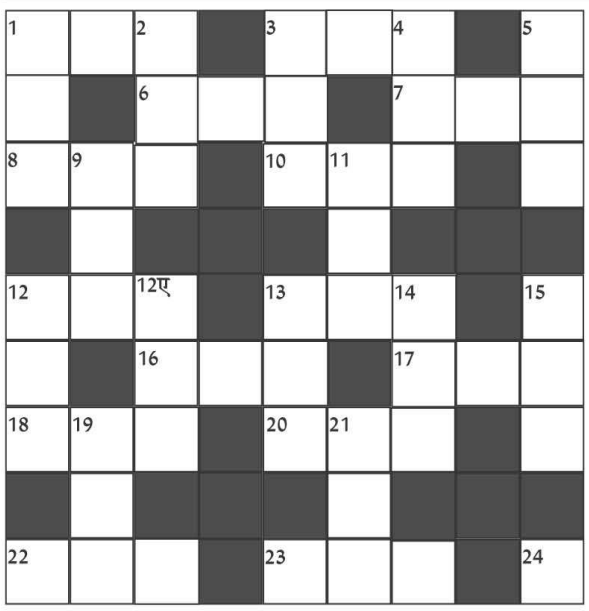

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

जेलर 2 से सामने आया थलाइवा का दमदार लुक

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए गुड न्यूज है। जेलर मेकर्स ने फिल्म के पार्ट 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। सुपरस्टार रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर जेलर 2 के मेकर्स ने अनाउंसमेंट किया है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। मेकर्स ने इसके लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

जेलर के बाद निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार चेन्नई में जेलर 2 की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जेलर 2 का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, मुथुवेल पंडियन की तलाश शुरू, जेलर 2 की शूटिंग आज से शुरू हो रही है। इस फिल्म में रजनीकांत अपनी भूमिका को फिर से निभाते हुए नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग सबसे पहले चेन्नई में होने की संभावना है। इसके बाद फिल्म की शूटिंग गोवा और तमिलनाडु के थेनी समेत अन्य शहरों में होने की उम्मीद है। फिल्म का पहला शेड्यूल 15 दिनों में पूरा होने की संभावना है।

सन पिक्चर्स निर्मित इस फिल्म में कलाकारों में नए कलाकार शामिल होंगे। ऐसी अफवाहें भी हैं कि कन्नड़ सुपरस्टार डॉ। शिवा राजकुमार और मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जेलर 2 का हिस्सा होंगे। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जनवरी में मेकर्स ने जेलर 2 का प्रोमो जारी किया था। 4 मिनट के प्रोमो में रजनीकांत के निभाए गए टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार की वापसी का खुलासा किया गया है। प्रोमो में थलाइवा एक्शन मोड में नजर आए हैं। जेलर 2, 2023 की ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म का सीक्वल है, जिसमें रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म को नेल्सन दिलीपकुमार ने लिखा और निर्देशित किया है। दिलीप ने पहले भाग का भी निर्देशन किया था। सुपरस्टार के साथ यह उनका दूसरा कोलैबोरेशन है।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक में शामिल हुई हुमा कुरैशी

अभिनेता राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। अब राजकुमार जल्द ही फिल्म मालिक के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान पुलकित ने संभाली है। वह डेढ़ बीघा जमीन, बोस: डेड/अलाइव और भक्त जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। अब मालिक में हुमा कुरैशी की एंट्री हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, मालिक की स्टार कास्ट में हुमा शामिल हो गई हैं। इस फिल्म में वह मेहमान (कैमियो) भूमिका निभाती नजर आएंगी।

कहा जा रहा है कि राजकुमार की फिल्म में हुमा एक खास गाने पर डांस करती दिखाई देंगी। अपने हिस्से की शूटिंग उन्होंने 2024 में कर ली थी। बता दें कि साल 2022 में आई फिल्म मोनिका ओ माय डार्लिंग के बाद मालिक राजकुमार और हुमा के बीच दूसरा सहयोग है। यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें राजकुमार एक खूंखार गैंगस्टर की भूमिका में दिखने वाले हैं। फिल्म में उनका अनदेखा अवतार देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। गौरतलब है कि इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का पहला पोस्टर पिछले साल राजकुमार के 40वें जन्मदिन पर रिलीज किया गया था।

शनाया की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार शनाया कपूर की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का टीजर पिछले दिनों जारी हो गया है। इस फिल्म में शनाया कपूर के साथ 'द व्हाइट टाइगर' स्टार आदर्श गौरव नजर आएंगे। यह सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म साल 2026 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

फिल्म के टीजर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए शनाया ने लिखा, प्यार, आतंक और ये साथ बहुत-बहुत गलत हो गया। 'तू या मैं' के लिए कौन ज्यादा उत्साहित है? बेजॉय नांबियार द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर डरावने माहौल वाले बैकवॉटर में सामने आता है, जहां एक लडक़ा-लडक़ी पानी में उतरते तो रोमांस के लिए हैं, लेकिन अचानक से पूरी कहानी बदल जाती है, सारे जज्बात बदल जाते हैं। टीजर देखकर आप सहम जाएंगे। ये टीजर रोमांस और रोमांच के साथ दिल की धडक़ने वाला है। टीजर को देखकर लगता है कि इसमें प्यार और रोमांस के साथ-साथ सस्पेंस और डर का भी जबरदस्त तडक़ा देखने को मिलेगा।

शैतान फेम डायरेक्टर बेजॉय नांबियार की इस फिल्म का टीजर रहस्यमयी बैकवॉटर्स में सेट है, जो रोमांस और रोमांच के साथ धडक़ने बढ़ाने वाला है। हिमांशु शर्मा द्वारा निर्मित इस फिल्म की कहानी अभिषेक बांदेकर ने लिखी है। इस फिल्म के लिए आनंद एल राय की प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो और बेजॉय नांबियार पहली बार एक साथ आ रहे हैं। तुम्बाड और हसीन दिलरुबा जैसी बेहतरीन और अनूठी फिल्में बना चुकी प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो की यह नई पेशकश एक्साइटमेंट बढ़ाने वाली है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो शनाया कपूर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग पूरी की है। इसमें वो '12वीं फेल' एक्टर विक्रांत मेसी के साथ नजर आने वाली हैं। वहीं आदर्श गौरव हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' में नजर आए थे।

हर्षवर्धन राणे की दीवानियत में सोनम बावजा की एंट्री

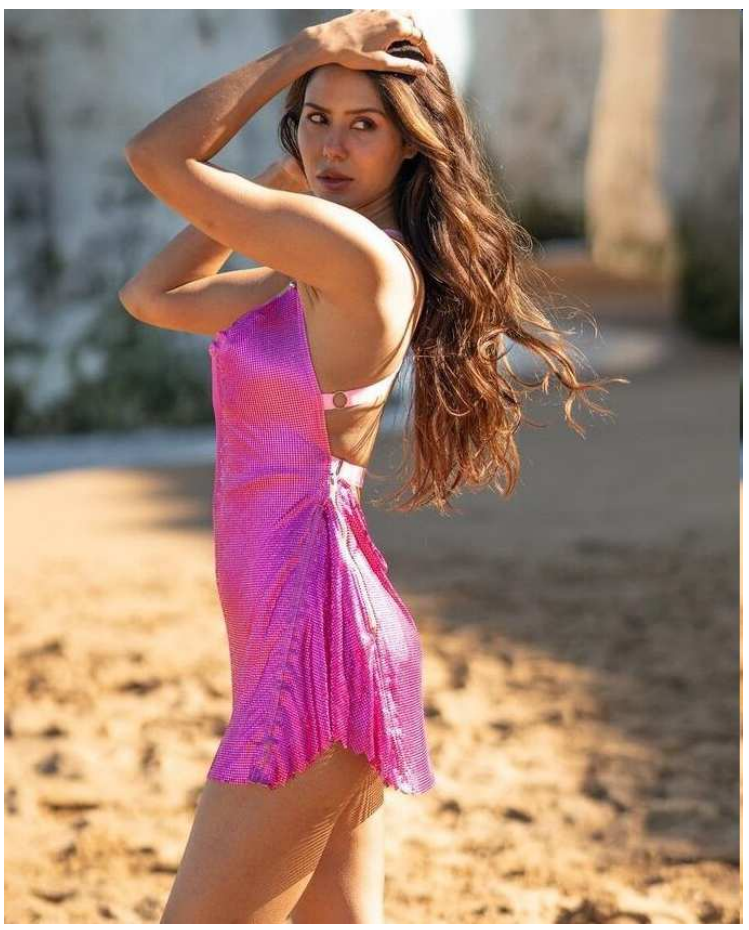

अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दीवानियत को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है। अमूल मोहन और अंशुल मोहन इस फिल्म के निर्माता हैं।

अब दीवानियत में जानी-मानी अभिनेत्री सोनम बावजा की एंट्री हो चुकी है।

इस प्रेम कहानी फिल्म में सोनम की जोड़ी हर्षवर्धन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।

सोनम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है।

उन्होंने लिखा, दीवानियत में प्यार की आग लाने के लिए बहुत रोमांचित हूं। जुनून और दिल टूटने की एक गहन गाथा, जिसमें अद्भुत हर्षवर्धन राणे के साथ अभिनय किया है। प्यार के इस पागलपन को देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती।

यह फिल्म इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास

ज्योति विज

पिछले दशक में भारत की विकास गाथा में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है और इस यात्रा का सबसे उत्साहवर्धक पहलू यह है कि इस देश की विकास गाथा में महिलाओं की भूमिका में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज हम गर्व से यह कह सकते हैं कि भारत के विकास के एजेंडे के केन्द्र में 'नारी शक्ति' है। भारत महिलाओं को न केवल जमीनी स्तर पर सशक्त बना रहा है, बल्कि विकसित भारत के निर्माता के रूप में उनके नेतृत्व का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

महिलाओं को विकास के लाभार्थी के रूप में देखने से लेकर उन्हें परिवर्तन के वाहक के तौर पर पहचानने की दिशा में आया बदलाव, सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं पहलों द्वारा समर्थित है। जीवन की निरंतरता से संबंधित दृष्टिकोण के तहत तैयार की गई ये नीतियां महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि उन्हें बचपन से लेकर शिक्षा, सम्मानजनक जीवन, मातृत्व, वित्तीय आजादी एवं आर्थिक एकीकरण के मामले में सहायता हासिल हो।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी शैक्षिक एवं पोषण संबंधी सहायता योजनाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को पाटने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन पहलों ने न केवल जन्म के समय लिंग अनुपात को बेहतर बनाने में मदद की है, बल्कि लैंगिक रूप से अपेक्षाकृत अधिक संतुलित समाज के निर्माण का आधार भी तैयार किया है।

इसके अलावा, आंगनवाड़ी प्रणाली और पोषण अभियान जैसी पहलों ने महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है। ये कार्यक्रम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि महिलाओं तथा युवतियों को वह पोषण एवं शिक्षा मिले जिसकी उन्हें अपने भविष्य की एक ठोस नींव रखने के लिए ज़रूरत है।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं ने भी महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में गहरा असर डाला है। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने देश भर में १०.३ करोड़ से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इस कदम से खाना पकाने के पारंपरिक ईंधन से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी जोखिम कम हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने 11.8 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया है। इससे महिलाओं की स्वच्छता और सुरक्षा के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन प्रयासों का महिलाओं की उत्पादकता पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा है।

सबसे परिवर्तनकारी पहलों में से एक है 'दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम)। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों - खासतौर पर ग्रामीण महिलाओं एवं समुदायों को बेहद सशक्त बनाया है। 31 जनवरी, २०25 तक, १०.०5 करोड़ से ज्यादा परिवारों को लगभग ९०.87 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित किया जा चुका है। इसके अलावा, एसएचजी के छह लाख से अधिक सदस्यों को विभिन्न भूमिकाओं - पशु सखी एवं कृषि सखी से लेकर बैंक सखी, बीमा सखी और पोषण सखी तक - में सामुदायिक संसाधन व्यक्ति (सीआरपी) के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इन प्रयासों ने महिलाओं को न केवल वित्तीय स्थिरता प्रदान की है, बल्कि उनमें अपने समुदायों के भीतर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आत्मविश्वास भी जगाया है।

देश के तेज विकास को नवाचार एवं उद्यमिता से गति मिल रही है। मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल न केवल भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदल रही हैं, बल्कि महिलाओं के लिए नए अवसर भी पैदा कर रही हैं। भारत, जिसे अब दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में पहचाना जाता है, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में उछाल का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) और स्टैंड-अप इंडिया जैसी पहल इस रूझान को बढ़ावा देने में सहायक रही हैं।

पालना योजना और कामकाजी महिला छात्रावास योजना जैसी लक्षित पहलों के माध्यम से श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली दो सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं - देखभाल संबंधी कार्य और आवास से जुड़ी समस्या - को दूर करना है।

इन उन्नतियों के बावजूद, देश में देखभाल से संबंधित एक समग्र एवं गुणवत्तापूर्ण इकोसिस्टम स्थापित करना तत्काल आवश्यक है। यों तो सरकार बच्चों एवं वृद्धों की देखभाल से जुड़ी सुविधाओं के मामले में मौजूद खाई को पाटने की दिशा में सराहनीय प्रगति कर रही है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। एक ऐसे समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करे, बल्कि एक मजबूत नीतिगत ढांचे एवं गुणवत्ता आश्वासन तंत्र को भी कार्यान्वित करे।

उदाहरण के लिए, सरकार डे-केयर सेंटरों को प्रमाणित करने और मानकीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनकी गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने हेतु एक वैधानिक निकाय के गठन पर विचार कर सकती है। इसके अलावा, कामकाजी महिलाओं को बच्चों (5 वर्ष की आयु तक के बच्चों) की देखभाल पर किए गए खर्चों के लिए एक निर्धारित सीमा तक विशेष कर संबंधी छूट प्रदान करने से अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा, राज्यों द्वारा महिलाओं को शारीरिक श्रम वाली (ब्लू कॉलर) नौकरियों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को अधिक व्यापक रूप से अपनाने की आवश्यकता है। इन नीतियों में रात की पाली में काम करने तथा सुरक्षा से जुड़े उपायों का पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए।

सरकार ने महिलाओं के राजनीतिक एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। पीएमजीडीआईएसएचए जैसी डिजिटल पहल ग्रामीण महिलाओं को वित्तीय आजादी हासिल करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में समर्थ बना रही है। एआई, ब्लॉकचेन और फिनटेक का उदय एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जिसमें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में महिलाएं-किरण (डब्ल्यूआईएसई-किरण) और संस्थानों को बदलने के लिए लैंगिक उन्नति (जीएटीआईई) जैसी पहल शामिल हैं। राजनीतिक मोर्चे पर, महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से विधायी निकायों में अधिक प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे शासन के हर स्तर पर महिलाओं की आवाज का सुना जाना सुनिश्चित हुआ है।

इन सरकारी योजनाओं का परिवर्तनकारी प्रभाव देश भर में महिला नेताओं व उद्यमियों और परिवर्तन को संभव बनाने वाली महिलाओं की बढ़ती संख्या से स्पष्ट है।

सशक्त महिलाएं न केवल अपने भविष्य को आकार दे रही हैं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी दिशा दे रही हैं। वास्तव में, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास फिक्की जैसे संगठनों की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक रहा है और इसे विकसित भारत का एक अनिवार्य शर्त माना गया है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास की यात्रा जारी है और इसकी सफलता सरकार एवं निजी क्षेत्र, दोनों के सामूहिक व निरंतर प्रयासों पर निर्भर करेगी।

लेखक महानिदेशक, फिक्की हैं

बात टैरिफ से आगे...

जब अमेरिका ने अपने यहां बाहरी कंपनियों की पहुंच सीमित या प्रतिबंधित करने की नीति अपना रखी है, भारत के प्रति उसके रुख को मुक्त बाजार की सोच के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। बल्कि इसे जोर-जबरदस्ती कहना ज्यादा ठीक होगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल संभवतः इसी महीने दोबारा अमेरिका जाएंगे। यह संकेत है कि उनकी इस हफ्ते खत्म हुई यात्रा कामयाब नहीं रही। खबरों के मुताबिक गोयल आयात शुल्क में कटौती का जो ऑफर लेकर गए थे, उसे अमेरिका ने अपर्याप्त माना। अब वाणिज्य मंत्री नए प्रस्ताव लेकर जाएंगे। संभवतः अमेरिका भारत में टैरिफ की दर शून्य करवाने पर अड़ा हुआ है। वैसे बात अब सिर्फ टैरिफ की नहीं रही है। इसकी पुष्टि

वाणिज्य राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के लोकसभा में दिए बयान से होती है। प्रसाद ने कहा- 'भारत और अमेरिका टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को घटा कर और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण कर एक-दूसरे के बाजार में अधिक पहुंच पर ध्यान दे रहे हैं।' प्रसाद ने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बात कर रहे हैं, जिसके इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। स्पष्टतः अमेरिका ने भारतीय बाजार में पहुंच और अमेरिकी कंपनियों के लिए 'समान धरातल' हासिल करने के तमाम मुद्दों को भारत के सामने रखा है। उसकी व्यापार एजेंसी पहले ही भारत में- खास कर यहां के औषधि उद्योग में- बौद्धिक संपदा अधिकारों के हनन का आरोप लगा चुकी है। इसके अलावा संकेत हैं कि सरकारी खरीद नीति, देशी कंपनियों को संरक्षण, और डब्लूटीओ नियमों के तहत विकासशील देश के नाते भारत को मिले खाद्य सुरक्षा के विशेष अधिकारों के सवाल को भी डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन उठा रहा है। संकेत यह भी है कि इन मामलों में अपनी तमाम शर्तों को मनवाने का रुख उसने अपना रखा है। जिस दौर में खुद अमेरिका ने भूमंडलीकरण की प्रक्रिया को पलटने और अपने बाजार में बाहरी कंपनियों की पहुंच सीमित या प्रतिबंधित करने की नीति अपना रखी है, उस समय उसका यह रुख किसी रूप में मुक्त बाजार की सोच के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। बल्कि इसे जोर-जबरदस्ती के रूप में देखना ज्यादा ठीक होगा। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत सरकार ने इस पर अस्पष्ट रुख अपना रखा है। उधर भारत के कारोबारी सिर्फ अपनी खाल बचा लेने की फिराक में जुटे हैं। जाहिर है, भारत के लोगों के लिए यह चिंतित होने का वक्त है। (आरएनएस)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर भी विवाद करना गलत

रानू राजपूत

कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। जिन देशों में लोकतंत्र को परिपक्व माना जाता है वहां विदेश नीति, आर्थिक नीति, सेना यानी सुरक्षा और शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखा जाता है। भारत विविधताओं वाला देश है। यहां अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। इसलिए भारत में भाषा भी उन विषयों में शामिल होनी चाहिए, जिन्हें राजनीति से ऊपर माना जाता है। दरअसल,नई शिक्षा नीति के बहाने तमिलनाडु सरकार जिस तरह भाषाई विवाद को बढ़ावा दे रही है वह आग से खेलने के समान है। भाषा ऐसा भावनात्मक मुद्दा है, जिसको लेकर अतीत में कई बार हिंसा हुई है। तमिलनाडु में ही हिंदी विरोध के नाम पर कम से कम तीन ऐसे उग्र आंदोलन हुए हैं, जिनमें सौ से अधिक लोगों की जानें गई हैं। कन्नड़ - मराठी विवाद और बेलगांव को भाषा के आधार पर महाराष्ट्र में शामिल करने को लेकर जो आंदोलन ६० के दशक में छेड़ा गया था,उसमें 157 लोगों की जानें गई थी। पंजाबी और हिंदी के बीच पंजाब में भी हिंसक संघर्ष हुआ है। जाहिर है तमिलनाडु सरकार शिक्षा नीति के बहाने भाषा विवाद को भड़का कर आग से खेल रही है। हालांकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर भी विवाद करना ग़लत है। महान दार्शनिक प्लूटो का कथन है, शिक्षा राजनीति की दासी नहीं, बल्कि सत्य और प्रगति का मार्गदर्शक होनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे देश के राजनीतिक दल शिक्षा को भी अपनी स्वार्थ पूर्ण राजनीति का माध्यम बना रहे हैं। दरअसल,शिक्षा नीति-२०२०

को लेकर तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र सरकार से की जा रही राजनीतिक रस्साकशी न केवल अवांछनीय है, बल्कि तमिलनाडु के छात्रों के हित में भी नहीं है। यह भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप भी नहीं है।

वर्तमान विवाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा अपनाए जा रहे रवैए के कारण हो रहा है। एमके स्टालिन शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले और कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट का विरोध कर रहे हैं। त्रिभाषा सूत्र को लेकर उनका आरोप है कि यह तमिलनाडु पर हिंदी और संस्कृत को थोपता है और इससे तमिल भाषा और संस्कृति पर खतरा है। स्टालिन ने शिक्षा नीति को समग्र शिक्षा अभियान और पीएम श्री स्कूल से जोड़ने के लिए भी केंद्र सरकार की आलोचना की है और प्रधानमंत्री मोदी से समग्र शिक्षा अभियान के तहत धन जारी करने की अपील की है। दरअसल, तमिलनाडु में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं। भाषा विवाद को हवा दे कर स्टालिन राजनीतिक लाभ उठाना चाहते हैं। अभी जिस शिक्षा नीति का विरोध स्टालिन कर रहे हैं, उस पर उनकी सरकार २०२० में सहमति जता चुकी है। यही नहीं,यह शिक्षा नीति तमिलनाडु सहित देश के चारों कोनों से 2.5 लाख ग्राम पंचायतों और 676 जिलों के शिक्षाविदों, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर तैयार की गई है। यानी इसकी निर्माण प्रक्रिया में व्यापक सहमति बनाने का प्रयास किया गया है। इस संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि शिक्षा नीति को बनाने वाली समिति के अध्यक्ष के। कस्तूरीरंगन स्वयं तमिल मूल के हैं। स्टालिन का यह आरोप भी शरारत पूर्ण प्रतीत होता है कि केंद्र सरकार त्रि-भाषा फार्मूले की आड़ में हिंदी और संस्कृत को थोप रही है। जबकि इस फार्मूले के तहत छात्र अपनी मातृ भाषा और अंग्रेजी के अलावा किसी भी अन्य भारतीय भाषा को चुन सकते हैं। जाहिर है शिक्षा नीति और भाषा को लेकर जिस तरह की राजनीति तमिलनाडु में चल रही है वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित है।

घर में घुसे बदमाशों ने महिलाओं से लूटी लाखों की नगदी व जेवरात

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार के एक घर में आज तड़के बदमाशों का कहर टूट पड़ा। बदमाशों द्वारा घर में मौजूद महिलाओं को हथियारों के दम पर आंतकित करते हुए उनके घर से लाखों की नगदी व जेवरात लूट लिये गये। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल शुरू कर दी है।

मामला मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के आकाशदीप एनक्लेव फेस टू का है। यहां आज सुबह तीन बदमाशों ने घर में घुसकर महिलाओं से लाखों रुपए की नगदी एवं जेवरात लूट लिए है। जानकारी के अनुसार बहेड़ी रुहाना निवासी आशीष कुमार त्यागी जो कि अपने परिवार सहित मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के आकाशदीप एनक्लेव फेस टू में अपना मकान बना कर रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार रात अपने गांव गए थे घर में उनकी मां,पत्नी और बहन मौजूद थी बताया कि आज सुबह करीब तीन बजे उन्हें घर में कुछ सामान गिरने की आवाज आई तो उन्होंने उठकर देखा कि तीन बदमाश घर में घुस गए है। घर में मौजूद महिलाओं ने उनका विरोध किया तो उन्होंने महिलाओं से मारपीट कर डाली और आतंकित करते हुए घर में रखे लगभग सवा दो लाख रुपये नगद, सोने के जेवरात जिनकी कीमत 30 से 31 लाख रुपए है, लेकर फरार हो गए। वहीं बदमाशो के जाने के बाद मामले की जानकारी आशीष त्यागी की पत्नी ने उन्हें और पड़ोसियों को दी। जिसके बाद मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और इसकी सूचना मंगलौर कोतवाली पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली साथ ही फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर इसकी पड़ताल की। पीड़ित ने बताया कि उनके द्वारा लिखित रूप से पुलिस को शिकायत दे दी है। इस बारे में एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि मामले में जानकारी जुटाई जा रही है।

बंद घर में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार, जेवरात बरामद

संवाददाता

देहरादून । पुलिस ने बंद घर में चोरी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों के जेवरात व सामान बरामद किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सतीश कुमार निवासी संस्कृति कालोनी, पटेलनगर द्वारा कोतवाली पटेलनगर पर एक प्रार्थना पत्र दिया कि दोपहर वो सपरिवार अपनी बेटी के रोका की रस्म निभाने के लिए नजीवाबाद गये थे, अगले दिन सुबह पडोसी द्वारा उन्हें घर मे चोरी होने सूचना दी गयी, जिस पर वह घर वापस आये तो देखा कि उनके घर के दरवाजे खुले थे तथा चोरो द्वारा उनके घर से ज्वैलरी तथा नगदी चोरी कर ली थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना के खुलासे तथा चोरों की गिरफ्तारी हेतु एसएसपी देहरादून के निर्देशों पर थाना स्तर पर पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे लगभग 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से अवलोकन कर संधिक्तो के सम्बन्ध में सूचना एकत्रित की गयी, तथा पूर्व में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आये आरोपियों की वर्तमान स्थिती के सम्बन्ध में जानकारी की गयी। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के दौरान आईएसबीटी क्षेत्र से घटना में शामिल विशाल कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार गौतम तथा राजकुमार पुत्र बृजपाल को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उनके द्वारा बताया गया की वह दोनो जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तथा वर्तमान में नकरौंदा क्षेत्र में किराये पर रह रहे है। उनके दिन में काम ढूंढने के बहाने बंद घरों की रैकी करके रात्रि में चोरी की घटना को अंजाम देते है। विशाल का पूर्व में भी चोरी, आर्म्स एक्ट तथा अन्य आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। जिसके सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

युवक पर फायरिंग करने वाले दो गिरफ्तार!

संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर में युवक पर फायरिंग करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद कर लिये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मानस यादव पुत्र वीर सिंह यादव, निवासी अल्वर राजस्थान, हाल निवासी पॉवर एंड बैकिंग सोसाइटी पौंधा, थाना प्रेमनगर द्वारा थाना प्रेमनगर पर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह यूपीईएस कॉलेज में बीए एलएलबी का छात्र है तथा पॉवर एंड बैकिंग सोसाइटी पौंधा में किराये के फ्लैट में रहता है। 24-25 मार्च 2025 की देर रात्री वह अपने दोस्तों के साथ अपने फ्लैट की बालकनी पर खडा था, इस दौरान अलग-अलग गाडियों में आये कृष पंवार, सूर्याशं चावला, मनस्वी पंडित, हरिवशं तथा 04-05 अन्य युवकों द्वारा उनके फ्लैट के पास गाडियों से उतरकर उनके साथ गाली-गलौच करते हुए उन्हें जान से मारने की नीयत से उन पर फायरिंग कर दी तथा फ्लैट के पास खडी उनकी गाडी को क्षतिग्रस्त कर मौके से फरार हो गये।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु कडे दिशा-निर्देश निर्गत करते हुए थाना प्रेमनगर पर अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया, गठित टीमों द्वारा घटनास्थल व उसके आस-पास आने जाने वाले मार्गो पर लगी सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को चैक करते हुए आरोपियो के सम्बंध में जानकारी एकत्रित की गई, साथ ही प्रकाश में आये आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु उनके सभी संभावित स्थानों पर दबिश देते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर घटना में शामिल मनस्वी फारसी उर्फ शिबू पंडित तथा हरिवंश मगलूरिया पुत्र मनोज गुप्ता को देर रात्री कण्डोली से बिदोली की तरफ जाने वाले मार्ग से घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से पुलिस टीम को घटना में प्रयुक्त देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में हरिवंश मगलूरिया द्वारा बताया गया कि वह मूल रूप से कठूवा जम्मू का रहने वाला है तथा वर्तमान में यूपीईएस कॉलेज में बी-कॉम आर्नस, द्वितीय वर्ष का छात्र है। पूर्व में मानस यादव का उसके दोस्त कृष पंवार के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था तथा मानस यादव व उसके साथियों द्वारा उसके साथ मारपीट की गई थी तथा उसे व उसके साथियों को जान से मारने की धमकी दी गई थी, इसी विवाद के चलते देर रात्री मानस यादव को सबक सिखाने के लिये वह अपने साथी कृष पंवार व अन्य लोगो के साथ अलग-अलग वाहनों से मानस यादव के फ्लैट पर पहुंचे, इस दौरान मानस अपने अन्य साथियों के साथ फ्लैट की बालकनी पर खडा था, जिसे देखकर उनके द्वारा उस पर फायर कर दिया तथा सडक किनारे खडी उसकी काले रंग की स्कोंपियों पर फायरिंग व तोडफोड कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया थानों का वार्षिक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक, रेखा यादव ने बीते रोज थाना कनालीछीना व थाना बलुवाकोट का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक डीडीहाट कुंवर सिंह रावत, पुलिस उपाधीक्षक धारचुला संजय कुमार पाण्डे, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली धारचुला विजेन्द्र शाह, थानाध्यक्ष कनालीछीना आरती, थानाध्यक्ष बलुवाकोट मेघा शर्मा एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने थानों के मालखाना, थाना कार्यालय, आर्म्स और एम्युनेशन, आपदा उपकरणों, अभिलेखों, सीसीटीएनएस, थाना भोजनालय, बैरकों, तथा थाना परिसर का गहन निरीक्षण किया। साथ ही, थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर की साफ-सफाई की स्थिति पर ध्यान दिया और नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही, थाना भवन, दीवारों, फर्नीचर आदि की मरम्मत करने तथा लंबित विवेचनाओं और जांच अहकमातों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने की बात कही। सीज किए गए वाहनों के शीघ्र निस्तारण हेतु भी थाना प्रभारीयों को निर्देशित किया गया। थाने के वाहनों में हर समय एक आपदा किट रखने के निर्देश दिए गए और समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को एसडीआरएफ के साथ संयुक्त रूप से आपदा हेतु प्रशिक्षण देने हेतु भी निर्देशित किया गया।

चोरी की ज्वैलरी के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की ज्वैलरी के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती कंचन थापा पत्नी वरदान थापा निवासी बेल रोड, सोसाइटी एरिया नजदीक तुलसी विहार भारूवाला ग्रांट ने थाना क्लेमनटाउन पर आकर प्रार्थना पत्र दिया कि वह 07 मार्च 25 को अपने परिजनों के साथ वृन्दावन दर्शन के लिये गयी थीं। जब वापस लौटी तो घर का मुख्य दरवाजा खुला था तथा घर के अन्दर रखी अलमारी का लॉक भी टूटा हुआ था। चोरों के द्वारा अलमारी में रखी गयी नगदी तथा ज्वैलरी को चोरी कर लिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटना स्थल व उसके आस-पास के सीसीटीवी कैमरों को चैक करते हुए पूर्व में इस प्रकार की घटनाओं में प्रकाश में आये लोगों की अध्यतन स्थिति का सत्यापन किया गया।

पुलिस द्वारा की गयी त्वरित कार्यवाही के परिणाम स्वरूप पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, जिनके कब्जे से पुलिस टीम को घटना में चोरी की गई ज्वैलरी व नगदी बरामद हुई थी। उनसे पूछताछ में घटना में शामिल 02 अन्य आरोपी अकरम तथा मुन्तजिर का नाम प्रकाश में आया था, जो घटना के बाद से ही अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिये लगातार फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस व अन्य माध्यमों से जानकारी एकत्रित की गयी तथा प्राप्त जानकारी तथा घटना में शामिल अकरम अली पुत्र मौसम अली को गत दिवस छुटमलपुर बाईपास पर अंडरपास से गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से घटना में चोरी की गई ज्वैलरी बरामद हुई। पूछताछ में अकरम अली द्वारा बताया की वह वर्तमान में होटल ढाबों में खाना बनाने का काम करता है तथा अपने साथी शाकिब व मुंन्तजिर के साथ मिलकर देहरादून की आवासीय कॉलोनियों में बन्द घरों की रेकी कर मौका देखकर चोरी की घटनाओं को अजांम देते हैं। उसके द्वारा पूर्व में भी सहारनपुर तथा देहरादून के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया गया था, जिनमें वह व उसके साथी सहारनपुर तथा देहरादून से जेल जा चुके हैं। अभियुक्त अकरम पूर्व में थाना रायपुर से हत्या के मुकदमें में जेल जा चुका है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक नजर

महिला कांग्रेसियों का हल्ला बोल!

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस की महिला विंग ने आज दून की सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ हल्ला बोला। सीएम आवास घेराव के लिए भारी संख्या में सड़कों पर उतरी महिलाओं ने राज्य में यूसीसी लागू करने का विरोध किया तथा इसे वापस लेने की मांग की। वहीं प्रदेश में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े तमाम सवालों को उठाते हुए सड़कों पर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इन महिलाओं का आरोप है कि सरकार ने यूसीसी में लिव इन रिलेशनशिप को सरकारी मान्यता देकर देवभूमि की संस्कृति को तार-तार करने का काम किया है। शादी से पहले लड़के और लड़कियों को साथ-साथ रहने की अनुमति दिया जाना सामाजिक व्यवस्था तथा विवाह जैसे बड़े महत्वपूर्ण संस्कारों पर गंभीर चोट पहुंचाने वाली है। उन्होने सरकार से मांग है कि सरकार यूसीसी को वापस ले या फिर इससे लिव इन की वैधता को समाप्त करें। इन महिलाओं का कहना है कि भाजपा जो कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाती है लेकिन वह खुद भी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके तुष्टिकरण की राजनीति करती है। महिलाओं का कहना है कि राज्य में महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती हैं तथा महिलाओं पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वही आम आदमी बढ़ती महंगाई से परेशान है लेकिन सरकार का उस तरफ ध्यान नहीं है। वह मस्जिद और मजार तथा मदरसों की राजनीति में जुटी है। राज्य में पहाड़ी और देसी जैसे मुद्दों को पैदा कर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है पुलिस ने इन महिलाओं को हाथी बड़कला में रोक दिए जाने पर उन्होंने वहीं सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन किया।

●यूसीसी, महंगाई सहित अनेक मुद्दों को लेकर किया सीएम आवास कूच

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के विवादास्पद आदेश पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया था कि किसी नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट को पकड़ना बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता। यह फैसला बुधवार को जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनाया। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 17 मार्च 2025 को अपने आदेश में कहा था कि एक नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता। इस फैसले के बाद समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी देखी गई। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जस्टिस बीआर गवई ने कहा, ष्हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि यह निर्णय न्यायाधीश की संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है। यह निर्णय तात्कालिक नहीं था, बल्कि चार महीने तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि इसमें विवेक का प्रयोग किया गया था, लेकिन वह न्यायसंगत नहीं था। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी पवन और आकाश ने 11 वर्षीय पीड़िता के स्तनों को पकड़ा और उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। उन्होंने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास किया, लेकिन लोगों के हस्तक्षेप के कारण वे भाग गए। हालांकि, हाई कोर्ट ने यह तर्क दिया कि इस घटना से यह साबित नहीं होता कि आरोपियों ने बलात्कार का दृढ़ संकल्प किया था। कोर्ट का कहना था कि इस मामले को अधिक से अधिक भारतीय दंड संहिता की धारा 354बी (नंगा करने के इरादे से हमला) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 9/10 (गंभीर यौन हमला) के तहत रखा जाना चाहिए, न कि बलात्कार के प्रयास के तहत।

धामी दिल्ली में, फेर बदल की चर्चा तेज

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दिल्ली में संघ कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने संघ के कुछ प्रमुख नेताओं से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री आज शाम संगठन मंत्री बीएल संतोष और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से भी मिलने वाले हैं। उनके एक बार फिर दिल्ली जाने व नेताओं से मुलाकात करने के साथ ही राजनीतिक गलियारों में मंत्रिमंडल में फेर बदल की चर्चाएं तेज हो गई है।

बीते दिनों संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद राज्य कैबिनेट में खाली पड़े पांच मंत्री पदों को जल्द भरे जाने की बात की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर अन्य नेता भी पुष्टि कर चुके हैं तथा यह फेर बदल होली के

●संघ और पार्टी के नेताओं से मुलाकात की ●फेर बदल की तैयारी, बस तारीख तय नहीं

बाद कभी भी होने की बात कही जा रही थी।

चर्चाएं इस बात की भी हो रही है कि कैबिनेट के कुछ अन्य मंत्रियों को भी हटाया जा सकता है जिसके चलते 5 से 7 तक नए मंत्री कैबिनेट में शामिल किये जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 30 मार्च से नवरात्रि शुरू हो रहे है। सूत्रों का कहना है कि इसलिए यह फेर बदल संभवत: होता 7-8 अप्रैल के बाद ही हो सकेगा।

पार्टी के सूत्रों के अनुसार इस फेर बदल की सभी तैयारियां लगभग पूर्ण की जा चुकी है कुछ लोग तो यह भी कयास लगा रहे हैं कि मंत्रिमंडल में यह फेर बदल 28-29 मार्च को भी संभव है। मंत्रिमंडल में किसे शामिल किया जाएगा और किसकी छुट्टी होगी इसका फैसला हो चुका है और अब बस इस पर अमल किया जाना ही बाकी है। तथा इसकी तारीख तय किया जाना ही शेष है।

होटल के बाहर से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने होटल के बाहर से एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लच्छीवाला नया गांव डोईवाला निवासी राजन थापा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह त्यागी रोड पर किसी काम से आया था। उसने अपनी एक्टिवा एक होटल की पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

11 पेटी अंग्रेजी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 11 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली धारचुला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर भारी मात्रा में अवैध शराब सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को आर्मी तिराहे धारचुला के पास एक संदिग्ध क्रेटा कार आती हुई दिखायी दी।

पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। कार की तलाशी के दौरान उसमें रखी 11 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में कार चालक ने अपना नाम शिवा सिंह ततवाल पुत्र अमर सिंह ततवाल निवासी सिर्खा पांगला हाल निवासी मल्ली बाजार धारचूला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

मुख्य सचिव ने ईएफसी की बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर दिया अनुमोदन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर अनुमोदन दिया।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में 1672.22 लाख रूपये की लागत के उत्तराखण्ड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार स्थित मुख्यालय की चैन लिंक फेन्सिंग के कार्यों, 1200 लाख रूपये के उध मसिंह नगर में फलेटेड फैक्ट्री के निर्माण कार्य, 2050 लाख रूपये के आईआईई सिडकुल हरिद्वार के अपग्रेडेशन कार्य, 500 लाख रूपये के देहरादून में फलेटेड फैक्ट्री निर्माण कार्य, 2748.25 लाख रूपये के यूआईएडएफ कार्यक्रम के तहत देहरादून के धर्मपुर की सुभाषनगर भारूवाला ग्रान्ट पेयजल योजना में टर्नर रोड आंशिक एवं भारूवाला ग्रान्ट वार्ड में 100 प्रतिशत पेयजल योजना के निर्माण कार्य, 25696.63 लाख रूपये के महिला खिलाड़ियों के खेल कौशल विकास हेतु चम्पावत में महिला स्पोर्टस कॉलेज की स्थापना तथा 3026.65 लाख रूपये के राज्य आपदा न्यूनीकरण मद के तहत देहरादून में मसूरी मोटर मार्ग के 25 किमी0 में गलोगी के पास हो रहे भूस्खलन को रोके जाने हेतु सुरक्षात्मक कार्यों पर अनुमोदन प्रदान किया। बैठक में सचिव विनोद कुमार सुमन, विशेष सचिव खेल अमित सिन्हा सहित वित्त, पेयजल निगम, आपदा, उद्योग विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नाबालिग को भगाने में नामजद मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आवास विकास कालोनी निवासी व्यक्ति ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री बाजार गयी थी लेकिन वापस नहीं आयी। उसने उसको काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका। पता करने पर आसपास के लोगों ने बताया कि आखिरी बार उसकी बेटी को शिवम उर्फ रिकूं के साथ जाते हुए देखा था। उसने कहा कि रिंकू उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।